YBS2-1-HI

जो अपने उद्धार पर संदेह करते हैं, उनके लिए आशा - प्रोग्राम 1

अनाऊंसर: आज द जॉन एंकरबर्ग शो में, सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक सवाल का आपको जवाब देना चाहिए. आप कैसे निश्चित हो सकते हैं कि आप परमेश्वर के साथ अनन्तकाल बिताएंगे?

डॉक्टर अरविन लुथजर: इसे इस तरह से सोचिए हमारे मरने के एक मिनट बाद, एक तो हम मसीह की सुन्दरता और महिमा को स्वर्ग में देखेगे, या हम ऐसा कुछ देखेगे जो इतना भयानक है जिसकी कल्पना भी हमे डरा देती है, आज के दिन/ मतलब इसे सोचने के लिए जरा रुकते हैं, कि ये सबसे महत्वपूर्ण सवाल पूछे, वो यही है कि हम अनन्तकाल कहाँ बिताएंगे/

अनाऊंसर: इस सवाल का जबाव देने के लिए आज मेरे मेहमान हैं, डॉक्टर अरविन लुथजर, सीनियर पास्टर हैं मुड़ी मेमोरियल चर्च शिकागो, इलेनॉय के/ साथ है ये इन सवालों का जवाब देगे, बाइबल उन लोगों के बारे में क्या सीखती हैं जिन्होंने पहले मसीही विश्वास का अंगीकार किया/ ओर बाद में जीवन में मसीही बने नही रहे/ यदि विश्वासी कुछ पापों का अंगीकार किए बिना मर जाता है, तो क्या इससे प्रभुने उसके लिए किए सारे काम बेकार हो जाते हैं? हम कैसे निश्चित जान सकते हैं कि हम उद्धार पाएं हैं आज, उद्धार पाने हैं कल, और सदा के लिए उद्धार पाए हैं? हम आपको न्योता देते हैं कि हमारे साथ जुड़ जाए, इस विशेष प्रोग्राम द जॉन एंकरबर्ग शो में/

****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: स्वागत हैं, हम महत्वपूर्ण बात पर चर्चा कर रहे हैं कि क्या आप निश्चित हो सकते हैं, आप कैसे निश्चित हो सकते हैं कि परमेश्वर के साथ अनन्तकाल बीतेंगे? हम में से हरकोई निश्चित होना चाहता है कि हम परमेश्वर के साथ निश्चित ही अनन्तकाल बितानेगे, ठीक है? सवाल है कि कैसे, और हमें क्या विशवास करना होगा, प्रभु का तरीका क्या हैं, और हम जो चर्चा कर रहे हैं वो बहुत ही महत्वपूर्ण है, और आज अरविन

हम चर्चा कर रहे हैं, टेड टर्नर, ये भाई जो सी एन एन के मालिक थे, और उन्होंने बहुत दिलचस्प वाक्य कहे हैं, अपने व्यक्तिगत जीवन के बारे में, मैं चाहता हूँ कि आप हमे उसके बारे में बताएं/

डॉक्टर अरविन लुथजर: खैर, अखबारों के अनुसार उन्होंने कहा, मैंने 7 या 8 बार उद्धार पाया है, लेकिन जब मैंने अपना विश्वास खो दिया, मुझे उस के बारे में अच्छा लगा,

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: मेरे प्रभु

डॉक्टर अरविन लुथजर: तो यहाँ ये उदाहरण है उसका जो कहते हैं कि मैंने उद्धार पाया है, शायद मसीही घर में बढ़े हैं, लेकिन नही समझे, तो आज के विषय का संबध तो सच में शाश्वती से हैं, इसका संबंध हैं इस बात से जिसे हम अनन्तकाल की सुरक्षा कहते हैं, हम उन लोगों के साथ क्या करे जो कहते हैं, खैर मैंने उद्धार पाया था, और फिर वो पाप में गिर जाते हैं, या वो व्यक्ति सोचते हैं कि जब भी वो पाप करते हैं तो वो अपना उद्धार खो बैठते हैं? हम इन सब समस्या से कैसे निपटे? हम आशा करते हैं कि उन में से कुछ को दूर कर पाएंगे/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अब शायद लोग सोचे कि वो इस विषय पर बात करना भी गलत है, क्योंकि ये सवाल तो चर्च में तब से है जब से वो छोटे थे, हम इसे देखेगे क्योकि लोगों को संदेह है, जो इस विषय से है/ यदि उद्धर पाने के बाद हम पाप करते हैं तो उद्धार खो बैठते हैं, तो वो उसी नाव में हैं, टेड टर्नर के साथ या आप दुसरे लोगों के बारे में कहेगे, मुझे हैरी की कहानी बताईए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: हैरी अर्नर साइड ने कहा, एक दिन कोई उनके पास आया और कहा मैंने ९९ बार उद्धार पाया है, मुझे ये बात पसंद हैं, एक बहन हमारे घर में आई थी, वो ऐसे चर्च में बढ़ी थी जो सिखाते थे कि तुम अपना उद्धार खो देते हैं जब भी पाप करते हैं/ या कम से कम जो भी बड़े पाप हो, जो भी बताया गया है, खैर उसने कहा कि शहर का बड़ा शराबी हर रविवार उध्दार पता था, और अवश्य ही वो सोमवार को फिर पिता और रविवार को आकर फिर उद्धार पता/ अंत में पास्टर इतने परेशान हो गए और कहा अगली बार उद्धार पाने के बाद, हम तुम्हे गोली मार देगे कि निश्चित ही तुम्हें स्वर्ग में भेज सके/ क्योंकि वो अपना उद्धार खोने पर थे, कुछ भी हो, उद्धार के लिए जो हो सके वो करे/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: मैं जानता हूँ कि हर तरह के लोग हमें देख रहे हैं, वो बिलकुल इस जगह पर हैं, तो इस के लिए जवाब क्या है?

डॉक्टर अरविन लुथजर: खैर मैं सोचता हूँ जॉन कि हमे यही करना चाहिए, सबसे पहले वचन की ओर मुडकर दिखाना होगा कि सच्चा विश्वासी सुरक्षित है, और शायद बाद में हमें उन्हें ट्रेड टर्नर की बात बतानी चाहिए/ क्योंकि उन्होंने जो कहा वो हमे ये विश्वास करने के लिए कारण देते हैं, कि हम अंतिम न्यायी नही हैं, ये हमे विश्वास करने के लिए कारण देता हैं, कि वो कभी सुसमाचार नही समझ सके थे, कभी इसकी सराहना नही की कि जब यीशु क्रूस पर मर तब क्या हुआ/ और वो उदाहरण हैं उनके जो क्रियाओं में से जाते हैं, और कुछ नहीं होता है उन्हें भी जिनके बारे में पहले चर्चा की है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: चलिए युहन्ना में से वचन देखते हैं/

डॉक्टर अरविन लुथजर: चलिए उन के बारे में चर्चा करे जिन्होंने सच में मसीह पर विश्वास किया है, ठीक है ये रोमियो अध्याय 8 में कहता है, मैं इसे 5 अटूट लिक्स कहता हूँ, परमेश्वर के उद्देश में, ये बिलकुल वैसे है जैसे हम प्लान के बिना बिल्डिंग नही बनाते हैं, प्रभु हमें इस पृथ्वी पर याने उसके लोगो को बिना उद्देश से नही लाता, विशवास करने वालों को/ और साथ ही जहाँ तक इसकी बात आती हैं, शायद दूसरों के लिए लेकिन निश्चित रूप में, विश्वास करनेवालों के लिए,

ये इस तरह कहता है रोमियो अध्याय 8 वचन 29 में, क्योंकि जिन्हें उसने पहले से जाना लिया है उन्हें पहले से ठहराया भी है कि उसके पुत्र के स्वरूप में हो, ताकि वह बहुत भाइयों में पहिलोठा ठहरे/ फिर जिन्हें उसने पहले से ठहराया, उन्हें बुलाया भी, और जिन्हें बुलाया उन्हें धर्मी भी ठहराया है, अब इसे देखी जॉन, जिन्हें धर्मी ठहराया, उन्हें महिमा भी दी है/ ये पूरी तरह चकित करता है/

5 चीजे जो पमेश्वर विश्वास करनेवालों के लिए करता है/ वो उन्हें पहले से ही जानता है, इसका अर्थ है, कि वो समय के पहले से उन्हें जानता है, इसका अर्थ है, उसका उनके साथ संबंध है/ उदाहरण के लिए पुराने नियम में परमेश्वर ने इस्राएल के बारे में कहा था, पृथ्वी के सारे कुलों में मैं केवल तुम्हे जानता हूँ/ इसका ये अर्थ नही कि परमेश्वर दुसरे देशों के बारे में नही जानता था/ मतलब प्रभु कहता है कि मेरा तुम्हारे साथ ये संबंध है/

याने परमेश्वर जिन्हें पहले से जानता है, पहले चुनता हैं हम ये भी कह सकते हैं, वो पहले निश्चित करता है, ये मुश्किल शब्द है/ कुछ लोग कहते हैं कि हम बना रहे हैं/ ये बाइबल में हर जगह पर है, इसका अर्थ है कि वो समय के पहले ही इसे जानता हैं, उनके लिए अपनी इच्छा को, वो इसे पहले निश्चित करता है, जैसे सर्वेअर शहर की सीमा निश्चित करते हैं, कि उसके पुत्र के स्वरूप में हो/ हमारे लिए परमेश्वर की योजना है कि हम

मसीह के जैसे हो, अब गौर कीजिए, जिन्हें उसने पहले से ठहराया, उन्हें बुलाया भी, मुझे बुलाया गया 14 साल की उम्र में जब मैंने मसीह को स्वीकार किया, आप कितने साल के थे जॉन?

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: 7

डॉक्टर अरविन लुथजर: 7, ठीक है/ इस तरह से परमेश्वर ने हमे बुलाया/ और हमने मसीह में विश्वास किया/ और फिर देखिए, जिन्हें बुलाया उन्हें धर्मी भी ठहराया, हमने इस पर पूरा एक प्रोग्राम सिखाया है, और जिन्हें उसने धर्मी ठहराया, और यही चकित करता है/ उन्हें महिमा भी दी है/ प्रभु कहता है जहाँ तक मेरी बात है मैं तुम्हे स्वर्ग में देखता हूँ, और जिन्हें मैं पहले से जानता हूँ कि वो मेरी संतान हैं, ये ग्रुप ऐसा ग्रुप है जो यहाँ आता है, महिमा पाता है, और यहाँ किसी तरह से कोई घटनाओं को फिसलना नही हैं/ कोई भी दरारों में से नही गिरता है/ याने इसका ये अर्थ है कि यदि हम सच में मसीह पर विश्वास करते हैं, तो हम कह सकते हैं कि विश्वास किया है/ लेकिन यदि हम सच में मसीह पर विश्वास करते हैं, तो हम उद्धार पाएंगे, हमे सीधा स्वर्ग तक ले जाया जाएगा/

पहली दो बातें परमेश्वर ने भूतकाल में अनंतकाल में की हैं, वो हमें पहले से जानता हैं, और वो हमें पहले से निश्चित करता है, बिच का बुलाया जाना तो तब अनुभव है जब हम मसीह को स्वीकार करते हैं/ बाकी दो धर्मी ठहराना और महिमा देना/ ये हमे सुरक्षित रूप में स्वर्ग तक ले जाती है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: मैं पूछना चाहता हूँ क्योंकि लोग सोच रहे हैं, ठीक हैं मै कैसे जानू कि मैं उन चुने हुओं में से हूँ/

डॉक्टर अरविन लुथजर: हम इसे मसीह कि प्रतिज्ञा से जानते हैं, जानते हैं बाइबल जो कहती है, पहले से नियुक्त और चुने हुओं के बारे में, इस में उसके बारे में कहने के लिए बहुत कुछ है/ मैं हमेशा लोगों से कहता हूँ, इन बातों में न फंसे/ क्योंकि आप जान सकते हैं कि क्या आप चुने हुए हैं और प्रभु के चुने हुओं में से हैं या नही/ यदि हम उसके पास आएं/ तो इससे हम साबित करेगे, कि हम उसके ही हैं,

जानते हैं यीशु मसीह ने कहा यदि कोई मनुष्य मेरे पास आएं/ तो मैं उसे नही निकालूँगा, मै उसे अनंतजीवन दूंगा/ ये तो मसीह की प्रतिज्ञाओं को थामना हैं, और हमे यही करना चाहिए, अब शायद अगले प्रोग्राम में हम चर्चा करेगे संदेह और बाकि विषय पर/ लेकिन सरल बात ये है कि ये इस पर आता हैं कि क्या मै औरे मेरे साथ उस पर भरोसा रखता हूँ, या केवल मसीह पर भरोसा रखता हूँ, और जैसे मैंने पिछले प्रोग्राम में कहा था, यदि

हम विश्वास करे कि जब यीशु क्रूस पर मरा तो उसने हमे प्रभु कि उपस्थिति में लाने के लिए जो भी जरूरी था वो सब किया है/ और हम उस पर भरोसा करते हैं, तो हम उद्धार पाते हैं, और हम इसे जानेगे/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: मै सोचता हूँ कि आप इन 5 पॉइंट्स से ये बताना चाहते हैं, वो बस यही है कि पिछे हटे और कहिए यदि मसीह में विश्वास रखा है, तो हमें जानना होगा कि परमेश्वर जुड़ा है, बहुत पहले ही/ इसकी योजना बना रहा था/ और जब आप ने मसीह को स्वीकार किया/ हालंकि इसे इच्छा से किया, सच तो ये है कि प्रभु ये सब देख सकता है, और यदि हमने मसीह को स्वीकार किया है, बाइबल कहती है कि हम सुरक्षित हैं, क्योंकि परमेश्वर कहता है कि तुम महिमा पाने के लिए स्वर्ग की ओर जा रहे हो/ ये काम पूरा हुआ/

डॉक्टर अरविन लुथजर: साथ ही, ये कहता है कि जब हम मसीह को स्वीकार करते हैं, पिछली बार हमने चर्चा की थी कि नया जन्म पाना क्या है, जब हम मसीह को स्वीकार करते हैं तो पवित्र आत्मा को स्वीकार करते हैं, और ये आत्मा की मुहर के बारे में कहता है/ आत्मा की मुहर, कल्पना कीजिए कि जब खत भेजा जाता है, राजा खत लिखता है, वो खत के शुरू और अंत में वैक्स लगते थे, शायद ये कहना सही होगा और उस पर अंगूठी का निशान लगाते थे, और यदि कोई उसे छेड़े तो पता चलता था/ क्योंकि वैक्स टूटता या तडकता था/ ये मुहर के साथ उस व्यक्ति तक ले जाया जाता था/ और ऐसे लोग हैं जिन्होंने जब यीशु मसीह को उद्धार स्वीकार किया, हम पर मुहर लगी, छुटकारे के दिन के लिए/

सच तो ये है कि क्या आप जानते हैं कि मै पहले ही स्वर्ग में हूँ, जॉन? ये कहता है इफिसियों अध्याय 2 में कि हम मसीह के साथ उठाए गए और मसीह के साथ बैठाए गए, स्वर्गीय स्थानों में/ अब ये मेरे लिए संभव होगा कि इस स्टूडियो में बैठकर, चैट न्युगा में, और लोसेंज्लिस में कोर्ट केस जीतू, यदि कोई अटर्नी मेरा प्रतिनिधित्व करे/ और यीशु मसीह हमारा अटर्नी है, जो हमे स्वर्ग में दर्शाता है, इसलिए प्रेरित पौलुस ये कहता है, कि परमेश्वर के चुने हुओं पर कौन दोष लगाएगा, परमेश्वर ही धर्मी ठहरता है, मसीह ही है जो मर गया वरन मुर्दों में से जी भी उठा/ यीशु हमारी अटर्नी है, याने हम कल्पना कर सकते हैं कि शैतान आकर कहता है, जो पाप करता है उसे मरना होगा, ये पापी है, जो मरने के योग्य है/ उसे दोषी ठहरा/ लेकिन यीशु दर्शानेवाला है, और यीशु हमारी अटर्नी है, और हमारे अटर्नी के रूप में पिता से कहता है, पिता, ये वो हैं जिन्हें मैंने छुड़ाया है, मैंने इसका कर्ज चुकाया है, इसे आज़ाद कर दे/ और पिता सहमत होता है,

जानते हैं ये उदाहरण हर समय उपयोग किया जाता है, लेकिन मैं एक बार बताना चाहता हूँ/ उस मनुष्य के बारे में जो बहुत तेज़ चला रहा था और उसे सौ डॉलर या कुछ दिखता है, और वो न्यायाधीश के सामने खड़ा

होता है, और उसके पास सौ डॉलर नही हैं, और जज अपने बेंच से उठते हैं और अपना कोट उतारते हैं, और साधारण कपड़े पहनते हैं, वो वहाँ से आगे बढते हुए दोषी के पास जाते हैं, और फिर जज अपनी जेब से सौ डॉलर निकाले हैं, और उसे रखते हैं, मेज़ पर/ और फिर वापस आकर अपना कोट उठाते हैं, आकर अपने डेस्क पर बैठते हैं और सौ डॉलर उठाते हैं, और कहते हैं धन्यवाद सर, आपका कर्ज चुकाया गया है आप आजाद हैं/ ये सुसमाचार है, प्रभु हम से एक दाम की मांग करता है, प्रभु जो मांग करता है उसे देता है, पिता परमेश्वर मांग करता है कि पवित्रता जरूर बनी हो/ यीशु क्रूस पर मरता है, इसलिए उद्धार पूरी तरह से परमेश्वर से है, आपको और मुझे माफ किया गया है, परमेश्वर के चुने हुओं के विरुध्द में कौन दोष लगाएगा, बाइबल कहती है/ परमेश्वर ही धर्मी ठहराता है, यदि ये शुभ संदेश नही है इस संसार में तो हमे शुभसंदेश कहाँ मिलेगा/ यही सुसमाचार है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: हम ब्रेक लेगे और वापस आने पर, हम सच में आगे बढ़ेगे क्योंकि दर्शक चाहते है कि आगे बढे/ क्योंकि वो सुरक्षित महसूस नही करते हैं/ जब तक इन सवालों का जवाब न मिल जाएं/ यदि मैं अंगीकार न किए पापों के साथ मर जाऊं तो क्या, या और भी सवाल हैं जैसे यदि मैं कल पाप करूं तो/ आज मैं प्रभु से प्रेम करता हूँ, मैं उसकी सेवा करना चाहता हूँ, और कल, उसके बारे में क्या? जब तक हम इन सवालों का जवाब न दे, बाइबल से, ये सुरक्षित महसूस नही करेगे, तो प्लीज़ हमारे साथ बने रहे, हम जवाब लेकर जल्द लौटेगे/

****

ठी **डॉ. जॉन एन्करबर्ग:** क है हम लौट आए हैं, हम चर्चा कर रहे हैं अरविन लुथजर से/ और इस महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा कर रहे हैं कि कैसे निश्चित हो जाएँ कि परमेश्वर के साथ अनंतकाल बिताएंगे/ और इन मुश्किल सवालों पर आते हैं अरविन, कि हम सब जानते हैं कि जो लोग उद्धार पाते हैं, और वो समझते हैं कि परमेश्वर हमे ये मुझे का वरदान देता है, और कुछ लोग इसे लेते हैं, और गलत उपयोग कर सकते हैं परमेश्वर के इस मुफ्त के वरदान का, मैंने उदाहरण देखे हैं, हम दिलों का न्याय नही कर सकते हैं लेकिन उन से चर्चा करे, कमज़ोर विश्वासी यदि चाहे तो कहे, जो कहते हैं जानते हैं अरविन मैं सच में प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करता हूँ/ लेकिन कुछ पाप आते हैं, जिनका अंगीकार नही किया गया है, ये बुरा है, और आप ऐसे लोगों को क्या कहना चाहते हैं/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जॉन, जॉन, इसके बारे में बताते हुए मैं थोडा पीछे जाना चाहूँगा, इस बात के बारे में चर्चा करते हुए, क्योंकि कोई कहता है ओ हम विश्वास करते हैं, तो हम मसीह को स्वीकार कर शैतान के जैसे जी

सकते हैं/ मैं सोचता हूँ कि हमे इसे बताना होगा, कल्पना करे कि जवान स्त्री, जो एक जवान से प्यार करती है, और वो उसे कहता है कि मुझ से शादी करो, और उनकी मंगनी होती है, वो जानता है कि भरोसा रखने योग्य है, बिलकुल वो विवाह के जैसे हैं, क्योंकि वो भरोसेमंद व्यक्ति हैं, अब वो कहती है कि अब मैं सुरक्षित हूँ, और मैं जानती हूँ कि वो मुझ से शादी करेगे, तो मैं इसे शहर में किसी के साथ भी सो सकती हूँ/ अवश्य ही नही, क्योंकि वो उससे प्यार करती है/ सच तो ये है कि वो उससे प्यार करता है/ उसी तरह से जब कोई मसीह को अपना उद्धार स्वीकार करता है/ तो क्या वो खुद से कहे ओ अब मैं स्वर्ग के बारे में निश्चित हूँ, अब मैं शैतान जैसे जी सकता हूँ, यदि कोई मनुष्य ऐसा सोचता है तो ये निश्चित है कि उसने मसीह को स्वीकार नही किया है/

अब ये कहते हुए मैं कह सकता हूँ कि अनुग्रह का गलत उपयोग हो सकता है, मुझे इस पर गौर करना होगा/ लेकिन सरल सच्चाई तो ये है कि हम कभी भी इसे न करे, या इसे कम न करे, उस आलौकिक स्वभाव को जो परमेश्वर हम में रखता है, कि हम मसीह के लिए प्रेम रखे/ ये सबसे शुरू के चिन्ह हैं, सच्चे विश्वासी के/ मुझे याद है एक बहन बार बार शराब की आदत में गिर जाती थी, क्योकि बचपन में उसके साथ भयानक तरह से बुरा व्यवहार हुआ था/ लेकिन जानते हैं मैं विश्वास करता हूँ कि वो सच्ची विश्वासी हैं, क्योंकि जब भी वो प्रार्थना करती थी, तो उसके मुंह से सबसे पहेली बात यही निकलती थी, हे प्रभु तू जानता है कि मैं तुझ से कितना प्यार करती हूँ, मुझे माफ करना कि मैंने ये अपराध किया है/ फिर प्लीज़ मेरी मदत कर कि तुझ से प्यार करूं, और और इसे पर तेरी महीमा के लिए जय पाऊं/ मतलब ये प्रार्थना है उसकी जिसने उद्धार पाया है, लेकिन पाप से लड़ रहा है, ये तो उस व्यक्ति से बहुत अलग है जो कहता है ओ मैंने अब मसीह को स्वीकार किया है तो जाकर जो चाहे करूंगा/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: हमे ये मानना होगा/ बहुत से ऐसे लोग हैं जो ऐसे घर में बढ़े हैं जहाँ माता पिता कठोर थे, और हमारा संबंध हमारे परफार्म्नेस पर आधारित होता है/ और ये मुश्किल होता है कि अनुग्रह का अर्थ समझ सके/ जहाँ आपका रहना और प्रभु के साथ का संबंध अब आपके काम पर आधारित होता है/

डॉक्टर अरविन लुथजर: बिलकुल, जी, और भी बहुत सी बातें हैं जॉन, सोचता हूँ इस पर एक औरे प्रोग्राम कर सकते हैं, याने एक बार कोई व्यक्ति उससे आजाद होता है, वो पाप के लिए आज़ाद नही करता, लेकिन प्रेम के लिए आज़ाद करता है/ और उन्हें आन्दित होने के लिए आज़ाद करता हैं/ कि मसीही जीवन का आनन्द उठाए,

डॉक्टर अरविन लुथजर: लेकिन मैं इस बात पर चर्चा करना चाहता हूँ जो आपने कहा/ उसके बारे में क्या जो पाप करता हैं, क्या अपना उद्धार खो देते हैं/ हम ने इस पर चर्चा करते हुए इस शो को शुरू किया था, यीशु के

शब्दों को सुनिए/ हमने पौलुस के शब्द देखे, लेकिन अब यीशु को देखिए/ मतलब युहन्ना अध्याय 10 वचन 27, मेरी भेड़ मेरा शब्द सुनती है, मैं उन्हें जानता हूँ, और वो मेरे पीछे पीछे चलती है/ मैं उन्हें अनन्तजीवन देता हूँ, और वो कभी नष्ट न होगी, और कोई उन्हें मेरे हाथ से छीन न लेगा/ मेरा पिता जिसने उन्हें मुझ को दिया है, सब से बड़ा है और कोई उन्हें पिता के हाथ से छीन नही सकता/ मैं और मेरा पिता एक हैं/ जानते हैं मैं इसे क्या कहता हुं, मैंने एक बार इसे पर प्रचार किया और इसे कहा/ एकता में हाथ, यहाँ पिता का हाथ है, और यहाँ पुत्र का हाथ है, थामे है भेड़ को, जो यीशु की है/ जानते हैं यदि आप चरवाहे हैं, और मैं यदि आपको सौ भेड़ दे दूँ, और फिर जब आप शाम को 93 लेकर आते हैं/ तो क्या लगता है कि दुसरे चरवाहे क्या कहेगे? यदि वो मेरी भेड़े होती तो मैं क्या कहता/ मैं कहता जॉन तुम आलसी चरवाहे हो, लेकिन आप कहते ओ ये भेड़ बहुत ही जिद्दी हैं/ जानते हैं ये अपने मार्ग पर जाती हैं, ये गलत झड़ी में चली गई/ मैं कहूँगा जॉन, मुझे परवाह नही कि भेड़ जिद्दी थी या नही/ इन जिद्दी भेड़ों को लो, और अपनी युक्ति का उपयोग करो, और उन्हें, लाइन में लाकर यहाँ लेकर आओ/

मैं कल्पना नही कर सकता, कि जो यीशु के हैं, वो वरदान हैं बाइबल कहती है, पिता कि ओर से पुत्र के लिए/ और पुत्र से पिता के लिए/ जो उद्धार पाएं हैं, कि यीशु ने हमें निश्चित संख्या दी है, लेकिन अन्तकाल में कोई इसे चुकेगा, क्योंकि जानते हैं उनकी अपनी इच्छा थी और वो बलवा करने वाले थे/ सुनिए, एक बार वो उद्धार पाने के बाद, और वो परमेश्वर के हैं तो वो उन्हें घर तक लेकर आएगा, मैंने लोगों को कहते सुना हाँ लेकिन जानते हैं ये कहता है, कि कोई मनुष्य उन्हें मेरे पिता के हाथ से छीन नही सकता/ लेकिन हम खुद को प्रभु के हाथों से निकाल सकते हैं, ये तो उससे भी मुश्किल है, बाइबल के अनुसार हम परमेश्वर के हाथ हैं, याद रखे यीशु ने कहाँ, मेरे शरीर के अंग, वो मेरी हड्डी की हड्डी और मेरे मांस का मांस है, याने अब मैं यही करना चाहता हूँ जॉन, मैं उन्हें सुरक्षा देना चाहता हूँ जो मसीह को उद्धारकर्ता मानते हैं, लेकिन साथ ही मैं उन्हें चेतावनी देना चाहता हूँ जो सोचते हैं कि उन्होंने मसीह पर उद्धारक के रूप में भरोसा किया है/ लेकिन सच में नही किया/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: खैर चलिए इससे समाप्त करते हैं अरविन, आपने महान उदाहरण दिया है, कि सच में बचानेवाला विश्वास क्या है, धीरे धीरे समझाते हुए हमे वो उदहारण बताइए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जॉन मैं वो उदाहरण आपको जरुर बताऊंगा लेकिन उसके साथ कुछ जोड़ना चाहता हूँ, क्या ऐसा कर सकता हूँ?

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है

शायद ऐसा भी कोई होगा जो मुझ से ये सवाल पूछेगा, जो उन्होंने पुछा था, विश्वासी के बारे में क्या, क्या सच्चा विश्वासी आत्महत्या कर सकता है? क्या आप जानते हैं कि इस सवाल का जवाब हाँ है, मैं जानता हूँ मिशनरीज जो मिशन फील्ड से वापस आने के बाद आत्म हत्या की/ बाइबल कॉलेज प्रोफ्रेसर ने आत्महत्या की/ आप पूछेगे उन्हें क्या होगा, मैं विश्वास करता हूँ कि वो भी स्वर्ग में हैं, अब प्लीज मुझे इस तरह से मत सुनिए कि मैं कह रहा हूँ, हे आत्म हत्या कर लो, आत्म हत्या को कुछ समय की समस्या के लिए हमेशा का जवाब है, ये हत्या है, ये हार का जीवन है/ हम ऐसा न करे, मैं सब से कहता हूँ, मैंने ऐसे बहुत से लोगों को सलाह दी है, मदत की है, मैं कहता हूँ कि एक दिन सूरज फिर चमकेगा, इसलिए हिम्मत मत करना कि ये करे/ लेकिन वहन भी मसीह मर और उस भेड़ को घर लाता है/ अपने घर लाता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: यही बने रहे आगे बढने से पहले क्योंकि हमें बहुत से मेल्स मिलने वाले हैं, आपने अभी जो कहा उस पर/ अभी आपने जो कहा वो सच है, सच्चाई ये है कि यदि हम आत्म हत्या को गैर कानूनी कर दे, ये तो पाप है, जो हमे परमेश्वर के राज्य और उसके हाथों से निकालता है, तो इसे कैसे जानते हैं, और आत्म हत्या को क्यों रोकता हैं/ क्योंकि दुसरे भी पाप हैं जिन्हें हमें इस लिस्ट में जोड़ना चाहिए, और शायद उस व्यक्ति के पाप के बारे में बताइए जो हमें अभी सुन रहे हैं, बात तो ये है कि ये भयानक पाप है, लेकिन फिर भी वो व्यक्ति क्यों सुरक्षित है, आत्म हत्या करने के बाद भी/

डॉक्टर अरविन लुथजर: बिलकुल, ये इसलिए क्योंकि वो यीशु का है/ और यीशु अपनी भेड़ घर लाएगा, लेकिन यदि कोई सुन रहा है जो कहता है ओ ये पूरी तरह भयानक है, जानते हैं, कोई ये सोचे कि वो आत्म हत्या कर सकते हैं, सुनिए, इस समय यदि को सुन रहा है जिसे ने यीशु को उद्धार स्वीकार किया है और हम सच्चे व्यक्ति के बारे में कह रहे हैं, और जानते हैं उन्हें क्या होगा? वो एक पाप करेगे, शायद अभिलाषा का पाप, शायद लालच का पाप, शायद घमंड का पाप और यदि उसका अंगीकार किए बिना वो मर जाते हैं तो क्या वो स्वर्ग में जाएंगे? जी, जवाब तो अवश्य ही हाँ है, यदि वो विश्वासी हैं तो/ जब कोई व्यक्ति मसीह को उद्धार स्वीकार करता है, नैतिक रूप में तब मसीह हमारा प्रतिनिधि होता है, स्वर्ग जाने तक, याने हमें इस पर जोर देना चाहिए कि परमेश्वर के लोग अपने घर जाएंगे, कुछ भी जो जाएं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: साथ ही इसके पहले कि अंतिम उदाहरण में चले, ये फिर से उनके कोई काम नही हैं, जो उद्धार का काम करते हैं, ये मसीह है और उसने जो किया है/

डॉक्टर अरविन लुथजर: और जॉन इस के साथ टेड टर्नर को भी जोड़ दे, याद हैं उन्होंने कहा था कि 7 या 8 बार उद्धार पाया था/ हमें इन बातों के बारे में बहुत ही सावधान रहना चाहिए, सुनिए कि वो और क्या कहते हैं, वो इस सच्चाई के बारे में कहते हैं कि वो प्रायश्चित का मजाक उड़ाते हैं, और इसलिए कि वो प्रायश्चित का मजाक उड़ाते हैं, वो कहते हैं कि ये विचार कि पाप भयानक है, और खैर चलिए इसे पढ़ते हैं, ये कहता है/ ठीक है, मैं उनके वाक्य पढना चाहता हूँ/ ठीक है टेड टर्नर से ये कहा/ उन्होंने कहा कि जब आप बाइबल स्वीकर करते हैं, जिस तरह से उसका अर्थ बताया जाता है, तो हर कोई सोचता है कि पाप का ये विचार चर्चा करने के लिए भयानक है, कि मसीह को यहाँ निचे आकर क्रूस पर दू;ख उठाना पड़ा/ कि उसके लहू के द्वारा हमारे पाप धोए जा सके/ अजीब व्यक्ति थे/ सच्चाई तो ये है कि वो सुसमाचार नही समझे थे/ और उसके परिणाम में हमें ये कहना होगा कि बहुत से लोग जो ये सोचते हैं कि उन्होंने विश्वास किया है, लेकिन नही किया/

क्या मैं अंत में उद्धार के विश्वास के बारे में जल्दी से एक उदाहरण देखे खत्म करूं? जानते हैं एक दुष्टान्त है और ये सच्ची कहानी नही केवल एक दृष्टान्त है/ हम उस के बारे में कह रहे हैं जो फिसल जाते हैं, वो किसी चीज़ को थामे रहते, और वो उपर देखते हैं और एक स्वर्गदूत उसके बाजू में खड़ा होता है/ स्वर्गदूत ने कहा क्या तुम विश्वास करते हो कि मैं तुम्हें बचा सकता हूँ? वो स्वर्गदूत के मजबूत हाथों की ओर देखकर कहता है, हाँ मैं विशवास करता हूँ कि तुम मुझे बचा सकते हो, तो उसने कहा क्या तुम विश्वास करते हो कि मैं तुम्हें बचा लूँगा? वो मनुष्य स्वर्गदूत के चेहरे पर मुस्कान देखकर कहता है, हाँ मैं विश्वास करता हूँ कि तुम मुझे बचा लोगे/ तब स्वर्गदूत ने कहा तुम विश्वास करते हो कि मैं तुम्हें बचा सकता हूँ और बचूऊँगा, तो इसे छोड दो/

जब हम मसीह के पास आते हैं, तो जाने दे, हमे अपने धार्मिक कामों को जाने देना है, हमें उन चीजों को जाने देना हैं जिन पर नियन्त्रण करना चाहते हैं, हमें छोड़ना होगा होगा सारा सम्मान, घमंड को जाने दे और उस एक को थामे रहे, जो हमे बचा सकता है, और इस तरह से हम परमेश्वर की भेड़ होते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: दोस्तों, यदि आप चाहते हैं कि मसीह आपको उद्धार दे, यदि आप इच्छा रखते हैं कि सब छोड़ दे, और मसीह सब करे, यदि आप चाहते हैं तो अरविन मैं चाहता हूँ कि आप प्रार्थना करें, कि ये आप के साथ प्रार्थना कर सके/ क्योंकि ये सच में महत्वपूर्ण है/

डॉक्टर अरविन लुथजर: बहुत महत्वपूर्ण/ हमारे स्वर्गीय पिता हम यीशु के लिए धन्यवाद देते हैं, जो हमारा चरवाहा है/ और हम दर्शकों के लिए प्रार्थना करते हैं, कि इस समय इन्हें प्रार्थना करने की योग्यता दे/ कि ये कहे हे परमेश्वर, मैं एक पापी हूँ, मैं धन्यवाद करता हूँ कि यीशु पापियों के लिए मरा/ और इस पल, मैं उसे अपने

बदले में स्वीकार करता हूँ, मेरे उद्धार के रूप में, मैं विश्वास से उसे स्वीकार करता हूँ/ हे प्रभु परमेश्वर जिन्होंने ये प्रार्थना की हैं उन्हें ला, उद्धार की पूरी शाश्वती में/ हम मांगते हैं यीशु के नाम में/ आमीन/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अगले हफ्ते हम इसे आगे देखेगे, क्योंकि इस क्षेत्र में बहुत से सवाल हैं, और हम इसे कहेगे निश्चित रूप में उद्धार पाना/

डॉक्टर अरविन लुथजर: मैं एक स्त्री की कहानी बताऊंगा, जो बाइबल टीचर है, जिन्हें संदेह की बहुत बड़ी समस्या थी/ हम कैसे उन संदेह पर जय पा सकते हैं? और उस जगह आ सकते हैं कि कहे, हाँ, मैं जानता हूँ कि ये ठीक है, मैं इसे करूंगा/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: साथ ही हम विश्वास के कुछ महान लोगों को देखेगे, पतरस, युहन्ना बप्तिस्मादाता/ और दुसरे, वो लड़ते गए, संदेह से और हम इस पर चर्चा करेगे, आप संदेह कर सकते हैं और फिर भी विश्वासी हो सकते हैं, लेकिन हम बाइबल के अनुसार इसे सही कर सकते हैं संदेह के सवालों को, कि आप अपने दिल में आनन्द पाएं, ये बहुत महवपूर्ण है तो अगले हफ्ते जरुर जुड़ जाए/

पर जाएं जे ए शो डॉट ऑर्ग पर. आप से संपर्क कर मुझे ख़ुशी होगी/

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाऊनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाो एप

"घ्द्धठ्ठन्र् ध्द्य ठ्ठड़ड़ड्डद्रद्य ख्ड्ढद्मद्वद्म क्ण्द्धत्द्मद्य" ऋ ख्ऋद्मण्दृध्र्.दृद्धढ़

@JAshow.org

क्दृद्रन्ध्द्धत्ढ़ण्द्य 2015 ऋच्ङक्ष्